Aarhat Publication & Aarhat Journal's

# ELECTRONIC INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL (EIIRJ)

## Peer Reviewed Interdisciplinary Research Journal

ISSN- 2277-8721

Online and Print Journal

Impact Factor: 5.20 (EduIndex)

UGC Approved Journal No 48178, 48818

Sep - Oct 2017

Vol VI Issues No V

Chief Editor

Mr.Amol Ubale

Scanned by CamScanner

# माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों पर व्यावसायिक तनाव का अध्ययन

ममता (शोधार्थी)

डा विष्णु कुमार (सहायक प्रोफेसर)

जैन विश्व भारती विश्वविधालय लाडनू नागौर राजस्थान

प्रस्तावना :—

शिक्षा की प्रक्रिया में विद्यालय के प्रधानाध्यापक का विशेष महत्व है, विद्यालय पद्धति की सरलता उसी की कुशलता एवं संतुलनात्मक योग्यता पर निर्भर करती है। विद्यालय के हर अंग से प्रधानाध्यापक की छवि प्रतिबिंबित होती है। विद्यालय का वातावरण, उत्थान, पतन, मानसिक, भौतिक तथा नैतिक परिस्थितियां सभी प्रधानाध्यापक के व्यक्तित्व की कहानी कहते हैं। शिक्षकों की अनेक शिक्षण क्षेत्र से संबंधित समस्याओं का वह समाधान कर अध्यापकों का मार्गदर्शन करता है जैसा प्रधानाध्यापक होगा शिक्षक वैसा ही शिक्षण करेंगे।' 'किसी विद्यालय में प्रधानाध्यापक की स्थिति बड़ी अजीब होती है। वह एक ओर प्रशासक के रूप में भी कार्य करता है तो दूसरे रूप में वह कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य करता है। एक प्रधानाध्यापक विद्यालय के सभी दायित्व को तभी निभा सकता है जब वह अपने कार्य में रूचि रखता है और वह अपने कार्य में रूचि तभी रख सकता जब वह अपने कार्य के प्रति संतोष रखता हो या अपने व्यवसाय को लेकर तनाव में नहीं रहता हो। व्यवसाय या जीविका का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। व्यवसय मानव को जीवन यापन का साधन ही प्रदान नहीं करता अपितु उचित व्यवसाय में स्थान मिलने पर मानव को आत्म संतुष्टि प्रापत होती है तथा उसमें नव बल का सचार होता है। मानव जीवन में सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा आत्म निर्भरता की दृष्टि से व्यवसाय का महत्वपूर्ण स्थान है। समाज में उन नवयुवकों को सम्मानीय दृष्टि से देखा जाता है जो अध्ययन पूर्ण करके जीविकोपार्जन कर आत्म निर्भर बनने में प्रयत्नशील है।



Scanned by CamScanner